



नीरज चोपड़ा की नजरें 2028 में होने वाले लास एंजिल्स ओलंपिक पर लगीं

नई दिल्ली
भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लक्ष्य 2028 में होने वाले लास एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी को देखते हुए नीरज अपनी चोट से उबरने के बाद अगले एक साल में खेल में फिर से शीर्ष पर अपनी जगह बनाना चाहते हैं।

फिट नहीं होने के कारण वह एशियाई खेलों में भी भाग नहीं ले पाये थे। ट्रेनिंग के दौरान टखने की लिगामेंट में चोट लगने के बाद से ही वह खेलों से बाहर चल रहे हैं।

एशियाई खेलों के अलावा वह इस सीजन के बाकी सभी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से भी बाहर हैं।

बड़े दुर्भाग्यों से बाहर होने की निराशा के बावजूद, नीरज का ध्यान पूरी तरह से भविष्य पर केंद्रित है। उन्होंने अपनी वापसी की प्रक्रिया को लेकर कहा, ओलंपिक में अभी कुछ समय है। जिसके लिए अब मैं वापसी करने की प्रक्रिया में हूँ। मेरा पूरा ध्यान अगले साल एक मजबूत वापसी करने और उस तरह का प्रदर्शन देने पर है, जिसका मैंने लक्ष्य रखा है। उनका मानना है कि सही तैयारी और उचित पुनर्वास के साथ, वह अगले साल मैदान पर एक नए और बेहतर अंदाज में वापसी कर सकेंगे।

नीरज ने इसके साथ ही हाल ही में संपन्न

हुए एशियाई खेलों में युवा भाला फेंक खिलाड़ियों यश वीर सिंह और रोहित यादव के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि उनकी और साथी खिलाड़ी किशोर जेना की गैर-मौजूदगी में इन युवा खिलाड़ियों का पदक जीतना, भारत में भाला फेंक में उभरती हुई प्रतिभाओं की बढ़ती संख्या और उनकी गहराई को स्पष्ट रूप से दिखाता है।

इन खेलों में यश वीर ने पुरुषों की जैवलिन श्रो स्पर्धा में रजत पदक और रोहित ने कांस्य पदक हासिल कर न केवल व्यक्तिगत रूप से उपलब्धि हासिल की, बल्कि यह भी साबित किया कि भारत के पास जैवलिन में एक मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है। यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया जब देश अपने दो शीर्ष जैवलिन सितारों

की अनुपस्थिति से जूझ रहा था, जिससे इसकी महता और बढ़ जाती है।

नीरज ने युवा एथलीटों के प्रदर्शन पर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यशवीर और रोहित ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया। पिछले एशियाई खेलों में हमने दो पदक जीते थे। वहाँ इस बार, किशोर और मेरे न होने के बावजूद, हम फिर भी दो पदक जीतने में कामयाब रहे।

इन नए, युवा खिलाड़ियों का सामने आना भारत के लिए एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि हमारे यहाँ प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और साथ ही, उन्हें चोटों से बचकर रहने और खेल का पूरा आनंद लेने की महत्वपूर्ण सलाह भी दी।

न्यूज़ ब्रीफ

मेजर लीग साकर : मेसी ने चार मिनट में दामे दो गोल; इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हराया

अटलांटा। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मिनट

के भीतर दो गोल दामे, जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग साकर के 2026 सत्र में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। यह मुकाबला पूर्वी सम्मेलन के तहत खेला गया। इस जीत के

साथ इंटर मियामी पूर्वी सम्मेलन की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। टीम शीर्ष पर काबिज नैशविले से 11 अंक पीछे है। मियामी की नियमित सत्र में यह 15वीं जीत रही। मियामी की आक्रामक तिकड़ी मेसी, लुइस सुआरेज और जर्मन बेरेतरामे ने जीत में अहम भूमिका निभाई। बेरेतरामे ने हाफ टाइम से ठीक पहले गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में मेसी ने चार मिनट के भीतर दो गोल दमाकर टीम की बढ़त मजबूत कर दी। सुआरेज ने मुकाबले में दो गोल करने में मदद की। अटलांटा यूनाइटेड की ओर से स्थानाग्न खिलाड़ी फेब्रिस पिकाल्ट ने मुकाबले के अंतिम क्षणों में पेनल्टी पर गोल किया। जिससे मियामी का लगातार दो मुकाबलों में गोल नहीं खाने का सिलसिला टूट गया। टीम ने इससे पहले लगातार दो मैचों में विरोधी टीम को गोल करने से रोक़ा था। हालांकि, मियामी ने अंततः 3-1 से जीत दर्ज कर तीन अंक अपने नाम किए।

भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज झः कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों पर फ़ोड़ा टीकरा, छलका दर्द



नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई, जिसका पांचवां और निर्णायक मुकाबला बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। इस परिणाम से भारतीय खेमा निराश है, और कप्तान श्रेयस अय्यर ने सीधे तौर पर गेंदबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। मैच रद्द होने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यदि टीम ने कुछ मैचों में अपनी गेंदबाजी में और अनुशासन दिखाया होता, तो सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्होंने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि टीम दूसरे और चौथे मुकाबले में बेहतर गेंदबाजी कर सकती थी, जहां परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहे। हालांकि, श्रेयस अय्यर ने सीरीज के दौरान टीम के जुझारू रवैये और आक्रामक मानसिकता की सराहना भी की। उन्होंने साफ़ किया कि भारतीय टीम भविष्य में भी इसी आक्रामक सोच के साथ मैदान पर उतरेगी और अपनी शैली में कोई बदलाव नहीं करेगी। यह टिप्पणी टीम की रणनीति और भविष्य के दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है, लेकिन यह भी दर्शाती है कि कप्तान मौजूदा प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं।

वैभव के साथ नाइंसाफी पर बोले कप्तान श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही, लेकिन इस सीरीज में टीम इंडिया के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सुर्यवंशी को एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। यह

स्थिति एक बार फिर युवा प्रतिभाओं को मौके मिलने की बहस को जन्म दे रही है। सीरीज का आखिरी मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका, जिसके बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर से वैभव सुर्यवंशी को लेकर सवाल पूछा गया। अय्यर ने इस मामले पर खुलकर अपनी बात रखी। वैभव को मौका न दिए जाने को लेकर अय्यर ने कहा, मैं बस वैभव सुर्यवंशी से यही कहता रहता हूँ कि तुम्हें अपने मौके जरूर मिलेंगे। अगर तुम अपने प्रोसेस पर लगातार काम करते रहो, अपना माइंडसेट सकारात्मक रखो और मौका न मिलने के बारे में ज्यादा मत सोचो, तो बेहतर होगा। कभी-कभी आपको इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जिन्होंने हमें वर्ल्ड कप जीताया है और जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। अय्यर का यह बयान संकेत देता है कि टीम प्रबंधन वैभव की प्रतिभा से वाकिफ है, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन में उनके लिए जगह बना पाना मुश्किल हो रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया के लिए अभिषेक शर्मा और संजु सैमसन ने पारी की शुरुआत की थी। हालांकि, इस सीरीज में अभिषेक कुछ खास प्रभावी नहीं रहे, लेकिन संजु सैमसन ने जरूर खुद को साबित किया। यही कारण है कि वैभव को एक भी मैच में मौका नहीं मिल पाया। टीम इंडिया के कोच गैतम गंभीर ने भी कुछ मौकों पर वैभव को फिलहाल इंतजार करने की सलाह दी है, जिससे स्पष्ट है कि उन्हें भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन अभी उनकी बारी नहीं आई है।

सुनील गावस्कर ने की हार्दिक पांड्या की तारीफ, कहा-उनकी जगह लेना संभव नहीं

नई दिल्ली
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि टीम प्रबंधन हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में जरूरत से ज्यादा जुट जाता है, जबकि उनके जैसे खिलाड़ी की जगह लेना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर हार्दिक की क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिलता है, तो टीम को किसी दूसरे खिलाड़ी को अलग भूमिका के लिए तैयार करना चाहिए। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से मिली सीख, नमन धीर की बल्लेबाजी और भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी संयोजन पर भी अपनी राय रखी। जियोस्टार के कार्यक्रम हायर क्रिकेट लाइव में गावस्कर के साथ अभिषेक नायर, चेतेश्वर पुजारा और आकाश चोपड़ा ने भी पांच मैचों की टी20 सीरीज पर चर्चा की। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बेंगलुरु में खेला गया पांचवां और निर्णायक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। मैच में केवल 7.4 ओवर का खेल हो सका और सीरीज 2-2 से बराबर रही।

गावस्कर ने कहा, हमें गेंदबाजी देखने का मौका नहीं मिला। यह देkhना दिलचस्प होता कि नौ ओवर के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाज कैसा प्रदर्शन करते। इस सीरीज से एक सीख यह मिलती है कि भारत को अपनी गेंदबाजी में कम से कम चार नियमित गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका ऐसे आलराउंडर निभा सकते हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकें।

उन्होंने कहा, नमन धीर जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी में ज्यादा सक्षम हैं, लेकिन दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं। कभी-कभी हम हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। हार्दिक पांड्या की जगह कोई नहीं ले सकता। अगर उनकी क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिल रहा है, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जो थोड़ी अलग भूमिका निभा सके। नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह डाल रहे हैं और इस मैच में उन्होंने जिस तरह बल्लेबाजी की, वह भी शानदार थी।

गावस्कर ने कहा कि आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करने के चक्कर में गेंदबाजी कमजोर नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी रखने के लिए अपनी



गेंदबाजी से समझौता करते हैं, तो टीम कमजोर हो जाती है और इसी वजह से हार का सामना करना पड़ सकता है।

नमन धीर की बल्लेबाजी से प्रभावित पुजारा

पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 मुकाबले में नमन धीर की नाबाद 24 रन की पारी की सराहना की। धीर ने केवल छह गेंदों में ये रन बनाए। पुजारा ने कहा, जिस सहजता से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह खास है। उन्होंने छह गेंदों का सामना किया और उनमें से केवल दो पर एक-एक रन लिया। बाकी गेंदों पर चौके और छक्के लगाए। नौ ओवर तक सीमित मुकाबले में उनका स्ट्राइक रेट 400 रहा। इस स्थिति में उतरकर हर गेंद पर चौका या छक्का लगाने के लिए काफी तैयारी की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, उन्हें बल्लेबाजी करते देखकर लगता है कि वह इसे बहुत आसान बना देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। जब आप इस क्रम पर बल्लेबाजी करने उतरते हैं, तो सोचने का समय नहीं होता। ऐसे में केवल पांच छह गेंदों का सामना करके 24 रन बना लेना शानदार है

अभिषेक नायर ने सीरीज को 2-2 से बराबर रहने को बताया उचित

अभिषेक नायर ने कहा कि दोनों टीमों ने पूरी सीरीज में अच्छा क्रिकेट खेला और ऐसे में 2-2 से बराबरी पर समाप्त होना उचित परिणाम रहा।

उन्होंने कहा, जिस तरह यह सीरीज आगे बढ़ी, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि कई मायनों में इसका 2-2 से समाप्त होना सही है, क्योंकि दोनों टीमों ने बहुत अच्छा क्रिकेट खेला। यह दुर्भाग्यपूर्ण होता अगर पूरी सीरीज का फैसला नौ ओवर के मुकाबले से होता। दोनों टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सीरीज का 2-2 से समाप्त होना बताता है कि मुकाबला कितना कड़ा रहा।

नायर ने कहा कि घरेलू मैदान पर भारत के लिए यह सीरीज आसान नहीं रही और वेस्टइंडीज को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सात ओवर के मुकाबले में भारत को अपनी जीत की उम्मीद रही होगी, लेकिन अच्छी सीरीज का अंत बराबरी के साथ होना भी उचित रहा।

दिल्ली हाफ मैराथन 2026 : मताता ने तोड़ा कोर्स रिकार्ड भारतीय धावकों में शैलेश और अंकिता रहे अव्वल

नई दिल्ली
केन्या के चार्ल्स मताता ने रविवार को दिल्ली हाफ मैराथन में पुरुषों की एलीट दौड़ का कोर्स रिकार्ड तोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि इथियोपिया की बुडिनेश अलेमु ने महिलाओं की एलीट दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। भारतीय धावकों में पुरुष वर्ग में शैलेश कुशवाहा और महिला वर्ग में अंकिता ध्यानी ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

मताता ने 58 मिनट 52 सेकेंड का समय लेकर दौड़ पूरी की। उन्होंने 2020 में इथियोपिया के अमेदेवोर्क वालेलेन के बनाए 58 मिनट 53 सेकंड के रिकार्ड को एक सेकेंड से पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि के लिए मताता को विजेता की 27 हजार अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि के अलावा 12 हजार डालर का अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा।

मताता के जुड़वां भाई एलेक्स मताता ने 2025 में 59 मिनट 50 सेकेंड के समय के साथ यह खिताब जीता था। इस बार पुरुषों की एलीट दौड़ में केन्या के धावकों का दबदबा रहा। सैमवेल न्यामाई मेलू ने 59 मिनट 24 सेकेंड के समय के साथ दूसरा और स्टेनली वाइथाका म्बुरु ने 59 मिनट 33 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान



हासिल किया।

महिलाओं की एलीट दौड़ में इथियोपिया की बुडिनेश अलेमु ने एक घंटा छह मिनट 35 सेकेंड में दौड़ पूरी कर खिताब जीता। केन्या की सेलाहा बुसिनेई एक घंटा सात मिनट एक सेकेंड के समय के साथ दूसरे और सिंथिया चेलांत चेपकोरानी एक घंटा सात मिनट 32 सेकेंड के समय के साथ

तीसरे स्थान पर रहें।

शैलेश और अंकिता भारतीय धावकों में अव्वल - पुरुषों की भारतीय एलीट श्रेणी में शैलेश कुशवाहा ने एक घंटा पांच मिनट पांच सेकंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। गौरव माथुर एक घंटा पांच मिनट 11 सेकेंड के समय के साथ दूसरे और हेमंत कुमार एक घंटा पांच मिनट 37 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की भारतीय एलीट श्रेणी में अंकिता ध्यानी ने एक घंटा 12 मिनट 46 सेकेंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। सोनिया एक घंटा 14 मिनट 56 सेकेंड के समय के साथ दूसरे और भागीरथी एक घंटा 15 मिनट 51 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही।

2.75 लाख डालर से अधिक की पुरस्कार राशि - दिल्ली हाफ मैराथन 2026 में कुल दो लाख 75 हजार 732 अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि खो गई थी। पुरुष और महिला एलीट दौड़ के विजेताओं को 27-27 हजार अमेरिकी डालर मिले। भारतीय एलीट पुरुष और महिला श्रेणियों में शीर्ष तीन धावकों को क्रमशः साढ़े तीन लाख, ढाई लाख और डेढ़ लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

वहीं इस ऐतिहासिक दौरे का समापन दूसरे टेस्ट मैच के साथ होगा, जो 27 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा और यह मैच भारतीय समयानुसार 26 नवंबर को दोपहर 2:00 बजे शुरू होगा। न्यूजीलैंड की उछलभरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह एक कड़ी चुनौती होगी, और यह लंबी सीरीज आगामी महीनों में क्रिकेट जगत में किस टीम का दबदबा कायम रहता है, यह तय करेगी।

भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा: 12 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की लंबी क्रिकेट सीरीज का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली
भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म करने के बाद अब एक नए और बड़े दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम इंडिया अब न्यूजीलैंड की चुनौतीपूर्ण धरती पर कदम रखने जा रही है, जहां अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक एक लंबा और ऐतिहासिक सीरीज खेली जानी है।

इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज शामिल है। कीवी टीम के खिलाफ यह महामुकाबला 22 अक्टूबर से शुरू होकर 1 दिसंबर 2026 तक चलेगा, जिससे पहले दोनों टीमें नवंबर 2026 में भारत दौरे पर आमने-सामने आ चुकी हैं।

न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत सबसे पहले पांच मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज के साथ होगी, जो 22 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 के बीच खेली जाएगी। इस फार्मेट का पहला मुकाबला 22

अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा, जिसके बाद ठीक दो दिन बाद यानी 24 अक्टूबर को इसी मैदान पर दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंग्टन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों आकलैंड के ऐतिहासिक ईडन पार्क का रुख करेंगी जहां 30 अक्टूबर को चौथा टी20 मुकाबला खेला जाएगा। टी20 श्रृंखला का पांचवां और अंतिम मैच 1 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा, जिसके साथ ही सीरीज का यह पहला चरण समाप्त हो जाएगा। सभी टी20 मैच भारतीय समयानुसार रात 12:00 बजे शुरू होंगे।



टी20 मुकाबलों के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का रोमांच शुरू होगा, जो 4 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक खेली

जाएगी। वनडे श्रृंखला का आगाज 4 नवंबर को आकलैंड के ईडन पार्क में होगा, हालांकि भारतीय समयानुसार यह मैच एक दिन पहले यानी 3 नवंबर को शाम 6:00 बजे शुरू होगा। इसके बाद दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंग्टन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा (भारतीय समयानुसार 6 नवंबर शाम 6:00 बजे)। सीरीज का तीसरा मुकाबला 10 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में (भारतीय समयानुसार 9 नवंबर शाम 6:00 बजे) होगा। इसके बाद बचे हुए दोनों वनडे मुकाबले माउंट माउंजांगी के बे वेस्टर्न ओवल में खेले जाएंगे। चौथा वनडे 13 नवंबर को (भारतीय समयानुसार 12 नवंबर शाम 6:00 बजे) और पांचवां तथा अंतिम वनडे 15

नवंबर को (भारतीय समयानुसार 14 नवंबर शाम 6:00 बजे) खेला जाएगा। दौरे का सबसे रोमांचक और अंतिम चरण दो मैचों की बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज होगी, जो 19 नवंबर से 1 दिसंबर 2026 के बीच खेली जाएगी। पारंपरिक लाल गेंद के इस मुकाबले का पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर के बीच वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व मैदान पर आयोजित होगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार 18 नवंबर की दोपहर 2:00 बजे से हो जाएगी। वहीं इस ऐतिहासिक दौरे का समापन दूसरे टेस्ट मैच के साथ होगा, जो 27 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा और यह मैच भारतीय समयानुसार 26 नवंबर को दोपहर 2:00 बजे शुरू होगा। न्यूजीलैंड की उछलभरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह एक कड़ी चुनौती होगी, और यह लंबी सीरीज आगामी महीनों में क्रिकेट जगत में किस टीम का दबदबा कायम रहता है, यह तय करेगी।